नई पहल अब सबको सिखाई जाएगी इंजीनियरिंग

कैम्पस के बाहर भी तैयार होंगे 'इंजीनियर'

- MMMUT में DIIC की ओर से 10 प्रोजेक्ट्स पर किया जा रहा है काम

GOOD NEWS

amarendra.pandey@inext.co.in

GORAKHPUR (16 March): यदि आप इंजीनियरिंग के छात्र नहीं हैं, लेकिन आपमें इंजीनियरिंग की समझ हैं तो आप भी एक इंजीनियर हैं. जी हां, आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भले ही न हो, लेकिन आपका हुनर और आपकी समझ आपको वही सम्मान दिलाएगी. पूर्वांचल में स्थित एक मात्र इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय यानी मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएमएमयूटी) का डिजाइन,इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (डीआईआईसी) इस दिशा में काम कर रहा है. इसकी तरफ से अब तक दस प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू कर दिया गया है.

NGO की मदद से होगा साकार

एमएमएमयूटी कैंपस में स्थित डीआईआईसी ने अब तक दस प्रोजेक्ट पर वर्क स्टार्ट कर दिया है. रूरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप, आईआईटी कानपुर से इसकी संबद्धता के लिए कोशिश की जा रही है ताकि इसे और बेहतर किया जा सके. डीआईआईएस इस दिशा में काम कर रहा है कि कैसे रूरल एरियाज में काम आने वाली छोटी टेक्नोलॉजी को और बेहतर किया जा सके, जिससे वहां के लोगों को मदद मिले. इसमें उसकी समझ रखने वाले शख्स की भी मदद ली जाएगी आर उसे नई टेक्नोलॉजी के गुर सिखाए जाएंगे.

किसान करेंगे अविष्कार

इंजीनियरिंग की समझ रखने वाले किसान को इसका भरपूर फायदा मिलेगा. साथ ही नए अविष्कार भी होंगे. मान लीजिए कि किसी एरिया में किसी पेड़ के पत्ते या लकड़ी का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है तो उसके लिए ईंधन मशीन बनाकर उससे बायोमास बनाया जा सकता है. इसके साथ ही छोटी टेक्नोलॉजी को कम पैसे में कैसे शुरू किया जा सकता है. इसके लिए टेक्नोलॉजी की बारीकियां किसानों को बताई जाएगी. किसानों के इस्तेमाल में आने वाले फूट पंप के टेक्नोलॉजी के बारे में भी उन्हें जानकारी दी जाएगी कि कैसे इसे बना सकते हैं और किस तरह अधिक बेहतर कर सकते हैं.

FILE PHOTO

इन projects पर काम

- डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ लो कास्ट कंपोजिट हार्वेस्टर कम थ्रेसर मशीन
- नव अविष्कृत रोलर बेयरिंग युक्त कनेक्टिंग रॉड के डिजाइन एवं ऑप्टीमाइजेशन
- इंप्रूवमेंट इन डिजाइन ऑफ स्माल वाटर बाइक बोट
- डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ इको फ्रेंडली मशीन फॉर डेस्ट्रॉइंग हॉस्पिटल वेस्ट
- भूकंप सूचना यंत्र
- ऑनलाइन विलेज मैनेजमेंट सिस्टम
- नव अविष्कृत साइकिल
- गुलेल की नई सोच और उपकरण के साथ विकसित
- थर्मोपाइल इलेक्ट्रिसिटी फ्रॉम वेस्ट हीट
- माइक्रोवेव एंड इंडक्टिंग बेस्ड ह्यूमन एंड एनिमल क्रिमेशन सिस्टम

Workshop आज

सब्जेक्ट	:ब्रेन स्टार्मिंग वर्कशॉप ऑन रूरल डेवलपमेंट
वेन्यू	: सरजेसी बोस कॉन्फ्रेंस हाल, एमएमएमयूटी
टाइम	: सुबह 10 बजे

बड़े काम का workshop

एमएमएमयूटी कैम्पस स्थित डीआईआईसी की ओर से शुक्रवार को एक वर्कशॉप का आयोजन कराया जा रहा है. वर्कशाप के आयोजन में रूरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप, कानपुर का भी सहयोग लिया गया है. इस वर्कशॉप के मेन एक्सपर्ट आईआईटी कानपुर के प्रो. एनएस व्यास होंगे. जो एमएमएमयूटी के डीन, हेड्स, एनजीओ को रूरल डेवलपमेंट एक्टिविटीज की बारीकियां बताएंगे. वही नई दिल्ली से साइंटिस्ट-ई डॉ. केतकी बापत भी शामिल होंगे. वर्कशॉप में कमिश्नर अनिल कुमार गेस्ट ऑफ ऑनर की भूमिका में शामिल होंगे.

"वर्कशॉप के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह है कि यूपी इस्ट के ग्रामीण एरियाज में नॉन इंजीनियरिंग लोगों से संपर्क कर उन्हें डीआईआईसी से जोड़ा जाए. इससे घरेलू उपयोग की वस्तुओं को टेक्नोलॉजी के थ्रू वर्किंग स्टाइल में शामिल कर इसे और सरल बनाया जाएगा.

– प्रो. ओंकार सिंह, वीसी, एमएमएमयूटी